इल्मो अमल सेमिनार ३ मई को इन्दौर में

लुत्फी मियां की इल्म को लेकर होगी जबरदस्त तकरीर

इन्दौर। मुस्लिम समाज में लड़कियों में इल्म को लेकर पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए उन्हें दिनी और दुनियावी तालीम देने के मकसद के साथ इन्दौर की ईदगाह बिल्डिंग में संचालित हो रहे जामिआ फातिमा कुल्लियतुल बनाअत मार्डन मदरसे का पहला साल मुकम्मल हो गया है। इसी का जश्न मनाने के लिए एक सेमिनार 'इल्मो अलम सेमिनार' ३ मई को भिश्ती मोहल्ला में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें मेहमाने खुसूसी सैय्यद सिब्तेन हैदर मियां (लुत्फी साहब) तशरीफ ला रहै है। हजरत लुत्फी साहब यहां ३ मई को बाद नमाजे ईशा मुस्लिमों के इल्म से पिछड़ेपन की वजह और उन्हें दूर करने के तरीके बताएंगे, वहीं इस मौके पर अन्य ओलमा भी तकरीर करेंगे। जामिआ फातिमा कुल्लियतुल बनाअत के संचालक शाहीद रज़ा एवं सदस्य इकबाल हुसैन, असलम खान, अनीस भाई ने बताया कि जामिआ फातिमा का मकसद शहरे इन्दौर की उन मुस्लिम बच्चियों को दिनी और दुनियावी तालीम देना है, जिनके घर की माली हालात ठीक नहीं है और इसी कारण ऐसे घरों की बच्चियां स्कूल नहीं जा पाती। इस मदरसे में उन्हें दीन के साथ दुनियावी तालीम भी दी जा रही है। वहीं दीन की फिक्र के साथ इस बात को ध्यान में रखते हुए कि बच्चों की पहली दरगाह मां होती है, अगर मां में ही इल्म की कमी होगी, तो बच्चों को बेहतर तालीम कैसे देंगी। इसी वजह से मदरसे में बच्चियों को ६ साला आलेमा कोर्स करवाया जा रहा है, ताकि बच्चियां आलेमा बन सकें और आगे जिन्दगी में अपने परिवार को बेहतर बना सकें। इसी कोशिश में यह प्रोग्राम रखा गया है।